मैं निर्धन लाचार बाला जी

मैं निर्धन लाचार बाला जी क्यूकर तुम्हे मनाऊ,
खुला लाटरी मेरी भी मैं दर पे तेरे आउ,
मैं निर्धन लाचार बालाजी..

बड़े बड़े धनवान यो तेरे छप्पन भोग लगावे,
मेरे घर रोटी का टोटा माल कड़े ते आवे,
मुश्किल से मैं करू गुजारा साँची बात बताऊ,
खुला लाटरी मेरी भी मैं दर पे तेरे आउ,
मैं निर्धन लाचार बालाजी..

जयदा न चाहु पर बाबा इतना दे दे मने,
चले गुजारा ज़िंदगी का और याद रखु बस तने,
कद की जी मैं यारी तेरे छप्पन भोग लगाउ,
खुला लाटरी मेरी भी मैं दर पे तेरे आउ,
मैं निर्धन लाचार बालाजी..

घने साल हो गए बाबा और करे ना देरी,
खोल दे ताला बाबा इब तू बंद किस्मत की मेरी,
आनंद तू न सुने तो और बता किसे मैं सुनाऊ,
खुला लाटरी मेरी भी मैं दर पे तेरे आउ,
मैं निर्धन लाचार बालाजी..

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5470/title/main-nirhdan-lachaar-bala-ji-kyu-kar-tumhe-manaau-khula-latari-meri-bhi-main-dar-pe-tere-aau-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |